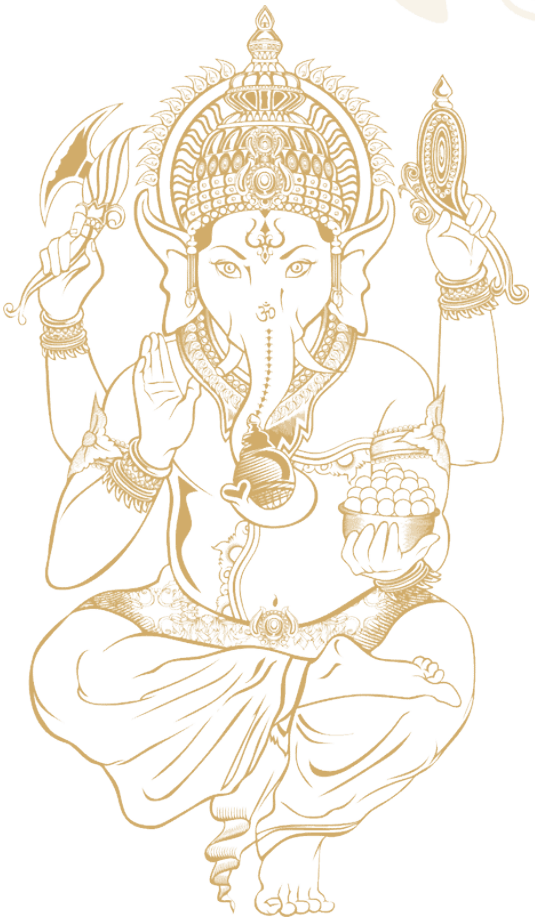

joel

16 Jan 2011

09:45 PM

Nagpur

Model: web-freekundliweb **Order No: 121172908**

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/01/2011**
दिवस	रविवार
जन्म समय	**21:45:00 कला**
इष्ट	37:09:08 घटी
स्थान	**Nagpur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	79:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:12 कला
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 कला
स्थानिक वेल	21:31:48 कला
वेलान्तर	-00:09:35 कला
साम्पातिक वेल	05:14:48 कला
सूर्योदय	06:53:20 कला
सूर्यास्त	17:52:31 कला
दिनमान	10:59:11 कला
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्याचे अंश	02:09:52 मकर
लग्नाचे अंश	25:27:17 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	सिंह – रवि
राशि–स्वामी	**वृषभ – शुक्र**
नक्षत्र–चरण	**रोहिणी – 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू–वृषभ
पाया(राशि–नक्षत्र)	ताम्र – स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा त्यांची स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:27:17	335:49:07	पू.फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	———
सूर्य			मक	02:09:52	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	20:37:26	13:18:07	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगळ		अ	मक	06:33:21	00:46:55	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध			धनु	09:54:13	01:16:09	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			मीन	04:55:30	00:10:10	उ.भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वगृही
शुक्र			वृश्चि	15:29:54	01:03:52	अनुराधा	4	17	मंगळ	शनि	गुरु	सम राशि
शनि			कन्या	23:07:40	00:01:02	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
राहु			धनु	08:37:50	00:01:12	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	नीच राशि
केतु			मिथु	08:37:50	00:01:12	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष			मीन	03:22:51	00:02:01	उ.भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	———
नेप			कुंभ	03:12:22	00:02:01	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगळ	शुक्र	———
प्लूटो			धनु	11:52:04	00:02:03	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	———
दशम भाव			वृष	25:36:01	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगळ	राहु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
लाहिरी अयनांश : 24:00:59

लग्न–चलित

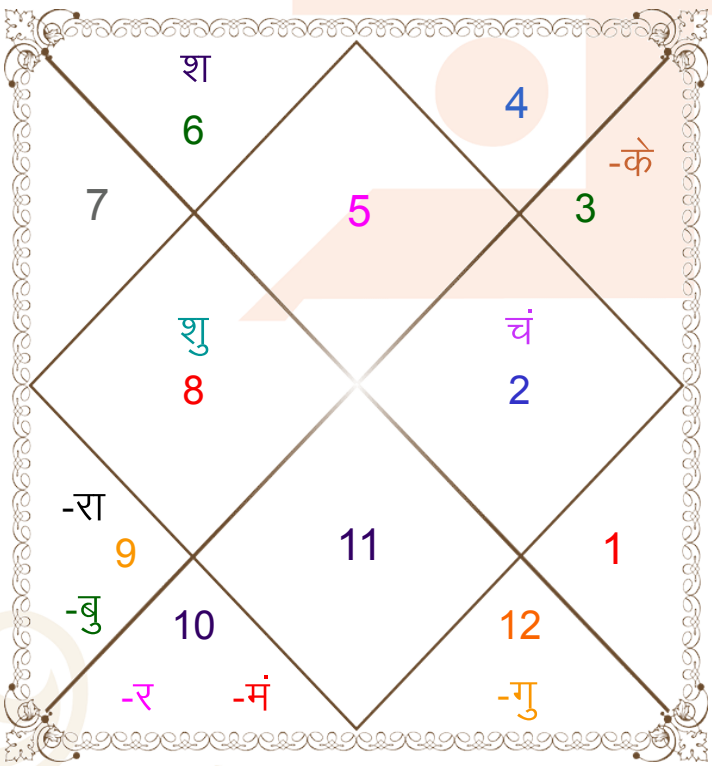

चन्द्र कुंडली

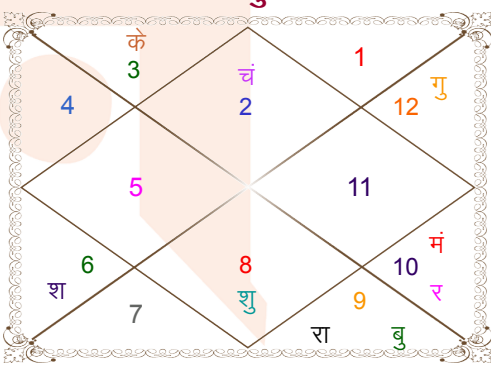

नवमांश कुंडली

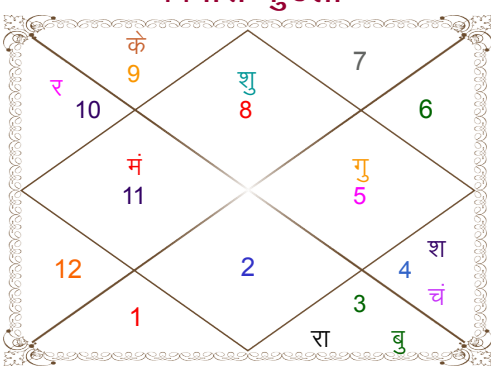

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा वेल : चन्द्र 2 वर्ष 0 महिना 11 दिवस

चंद्र 10 वर्ष		मंगळ 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/01/2011		28/01/2013		28/01/2020		28/01/2038		28/01/2054	
28/01/2013		28/01/2020		28/01/2038		28/01/2054		28/01/2073	
	00/00/0000	मंगळ	26/06/2013	राहु	11/10/2022	गुरु	17/03/2040	शनि	31/01/2057
	00/00/0000	राहु	14/07/2014	गुरु	05/03/2025	शनि	28/09/2042	बुध	11/10/2059
	00/00/0000	गुरु	20/06/2015	शनि	10/01/2028	बुध	03/01/2045	केतु	19/11/2060
	00/00/0000	शनि	29/07/2016	बुध	29/07/2030	केतु	10/12/2045	शुक्र	19/01/2064
	00/00/0000	बुध	26/07/2017	केतु	17/08/2031	शुक्र	10/08/2048	सूर्य	31/12/2064
	00/00/0000	केतु	22/12/2017	शुक्र	17/08/2034	सूर्य	29/05/2049	चंद्र	02/08/2066
	16/01/2011	शुक्र	21/02/2019	सूर्य	11/07/2035	चंद्र	28/09/2050	मंगळ	10/09/2067
शुक्र	29/07/2012	सूर्य	29/06/2019	चंद्र	09/01/2037	मंगळ	04/09/2051	राहु	17/07/2070
सूर्य	28/01/2013	चंद्र	28/01/2020	मंगळ	28/01/2038	राहु	28/01/2054	गुरु	28/01/2073

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
28/01/2073		28/01/2090		28/01/2097		29/01/2117		29/01/2123	
28/01/2090		28/01/2097		29/01/2117		29/01/2123		00/00/0000	
बुध	26/06/2075	केतु	26/06/2090	शुक्र	30/05/2100	सूर्य	18/05/2117	चंद्र	29/11/2123
केतु	22/06/2076	शुक्र	26/08/2091	सूर्य	30/05/2101	चंद्र	17/11/2117	मंगळ	30/06/2124
शुक्र	23/04/2079	सूर्य	01/01/2092	चंद्र	29/01/2103	मंगळ	25/03/2118	राहु	29/12/2125
सूर्य	28/02/2080	चंद्र	01/08/2092	मंगळ	30/03/2104	राहु	16/02/2119	गुरु	30/04/2127
चंद्र	29/07/2081	मंगळ	28/12/2092	राहु	31/03/2107	गुरु	06/12/2119	शनि	29/11/2128
मंगळ	26/07/2082	राहु	16/01/2094	गुरु	29/11/2109	शनि	17/11/2120	बुध	30/04/2130
राहु	12/02/2085	गुरु	23/12/2094	शनि	29/01/2113	बुध	23/09/2121	केतु	29/11/2130
गुरु	21/05/2087	शनि	31/01/2096	बुध	29/11/2115	केतु	29/01/2122	शुक्र	17/01/2131
शनि	28/01/2090	बुध	28/01/2097	केतु	29/01/2117	शुक्र	29/01/2123		00/00/0000

- वरील दशा चन्द्रमा चे अंशा चे आधार वर्ती दीलेली आहे. भयात भभोग चे आधार अनुसार दशाच्या भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 0 मा 2 दि होता आहेत.
- वरील दिनांक दशा समाप्ति चा समय दाखवते. विंशोत्तरी दशा पूर्ण 120 वर्षाची बिना आयुनिर्णय दिलेली आहे.

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।